

MR SPEAKER : I do not take notice of Members who speak while sitting.

श्री कृष्ण चन्द्र पांडे : **

अध्यक्ष महोदय : आर्डर आर्डर । मैंने आप को इजाजत नहीं दी । यह रेकार्ड पर नहीं आएगा जब तक मैं इजाजत नहीं दूंगा तो क्या फायदा आप के बोलने से ?

पर्यटकों को प्रदान की जाने वाली परिवहन एवं मनोरंजन सुविधाओं पर किया गया व्यय

*604. श्री मूलचन्द डागा : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पर्यटन विभाग पर्यटकों को परिवहन एवं मनोरंजन सुविधायें देता है ;

(ख) यदि हां, तो 1969, 1970 और 1971 में, अलग अलग, इन सुविधाओं पर कुल कितना व्यय किया गया ; और

(ग) इस सम्बन्ध में पर्यटकों के लिये बनाये गये विभिन्न कार्यक्रम क्या है ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. SAROJINI MAHISHI) : (a) and (c). The Department of tourism has taken the following measures for providing transport and entertainment facilities to the tourists :—

(1) Transport operators are accorded approval to assist them in maintaining vehicles and services of the standard required.

(2) Vehicles are obtained and made available to State Governments and the ITDC for operation.

(3) The India Tourism Development Corporation operates a large fleet of vehicles and organises evening entertainment and cultural programmes.

(4) *Son-et-lumiere* shows are being progressively organised.

(5) Occasional support is extended to cultural bodies to provide evening entertainment.

(6) Support has been extended on occasions to State Governments for organising tourist festivals.

(b) The expenditure of the Department of Tourism is as follows :—

	1969-70	1970-71	1971-72
	(Rs. in lakhs.)		
Transport	7.27	Nil	7.66
Entertainment	3.44	21.385	9.585
	10.71	21.385	17.245

श्री मूलचन्द डागा : आप ने यह बतलाया है कि 1969-70 में 3 लाख 44 हजार रुपया खर्च हुआ है और एक साल के बाद ही 21 लाख 38 हजार रुपया खर्च हुआ है तो आप यह बतलाइए कि कौन कौन सी ऐसी सांस्कृतिक इकाइयां हैं जिनको आप ने सहायता दी और कौन कौन से मनोरंजन रखे गए?

डा० सरोजिनी महिषी : 1970-71 में करीब करीब 21 लाख रुपये एन्टरटेनमेंट पर खर्च हुए हैं उसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आ गए और मनोरंजन भी आ गया । कई इंस्टीट्यूशंस को यह मदद दी गई है । गुजरात में साबरमती आश्रम में सोन-एट-लूमियर पर करीब 12 लाख रुपया खर्च हुआ है । रेड फोर्ट में सोन-एट-लूमियर का रिवीजन हो गया है, उस पर साढ़े चार लाख रुपया खर्च हुआ है और शालीमार में भी चल रहा है, उस पर 25 लाख रुपये खर्च होने का अन्दाजा है, उसमें से कुछ हिस्सा दिया गया है । मनोरंजन के कार्यक्रम में सबसिडी दी जाती है और केरल में कथकली डांस वगैरह जो दिखाते रहते हैं आने वाले टूरिस्ट्स को उनको भी 500 से हजार रुपये तक सहायता दी गई है ।

श्री मूलचन्द डागा : आपने यह बतलाया कि कई राज्यों को भी इसके लिये सहायता

दी जाती है, तो राजस्थान में कितनी सहायता दी गई यह बतला दीजिए।

डा० सरोजिनी माहिषी : कहीं वहाँ राज्यों को भी सहायता दी गई है ...

अध्यक्ष महोदय : राज्यों के बारे में तो खान तौर से नहीं पूछा गया है, अगर आप जानती हैं तो बतला दीजिए।

डा० सरोजिनी माहिषी : पश्चिमी बंगाल में फेस्टिवल आफ कैनकटा जो उन्होंने किया उसमें कुछ मदद दी गई है ... (व्यवधान) . राजस्थान में इस मनोरंजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिये खान तौर पर किसी संस्था को मदद नहीं दी गई है। लेकिन पीरिआडिकली कोई ट्रिस्ट आ जाते हैं तो उनके ऊपर काफी खर्चा इस सम्बन्ध में किया गया है।

SHRI SURENDRA MOHANTY : Is it a fact that some State Governments want to have their own *son-et-lumiere* programmes but are not being given encouragement by the Tourism and Aviation Ministry?

DR. SAROJINI MAHISHI : The State Governments have their own programmes also and the department of tourism of the Government of India is only supplementing the activities in promoting tourism.

SHRI G. VISWANATHAN : I want to know from the hon. Minister whether they are aware of the fact that the entertainment which we offer to the foreign tourists is not up to the mark, especially evening entertainment and if so what are they going to do to attract foreign tourists?

DR. SAROJINI MAHISHI : Wherever we have organised entertainment programmes on behalf of the Department of Tourism and the ITDC it is up to the mark and it has been appreciated and if the hon. Member has got any constructive suggestions to make he is welcome.

श्री रामाबलार नास्त्री : क्या यह बात सही है कि पर्यटकों से हवाई अड्डे पर जाने के लिए सिटी आफिस से हवाई अड्डे तक का अलग किराया 4 रुपये वसूल किया जाता है? यदि यह सही है तो इसका क्या जस्टिफिकेशन है?

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल इसमें कहां से आता है?

DR. SAROJINI MAHISHI : The hon. Member's question is based on the previous question.

SHRI S. A. KADER : Recently there appeared some news item that the hon. Minister of Tourism is a good singer. Does he also give some items of entertainment to the tourists?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH) : I would not think of trying to entertain the tourists; but I am prepared to entertain the hon. Member.

MR. SPEAKER : What about the Deputy Minister?

Scheme to Raise Tourist-Income Target

*605. **SHRI P. M. MEHTA :** Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government are preparing a scheme to raise the tourist-income target to Rupees 200 crores a year; and

(b) if so, the main features thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. SAROJINI MAHISHI) : (a) and (b). The Department of Tourism is considering schemes for inclusion in the Fifth Plan for strengthening and improving the tourism infrastructure and for increasing tourist arrivals from an estimated 400,000 in 1973 to 800,000 in 1978. Foreign exchange earnings from this number of tourists on the basis of present trends of tourist expenditure is expected to be over Rs. 100 crores by 1978.

SHRI P. M. MEHTA : I want to know whether the surveys in the various States indicate that the main obstacle to promoting tourism in India is shortage of good hotels and lack of adequate transport facilities and other amenities. If so, what concrete steps do Government propose to take to meet the demand?

DR. SAROJINI MAHISHI : Yes, there is shortage of accommodation and shortage of transport also. But the Department of Tourism and the ITDC are both trying their